

टूर संदर्भ
LKSTRQJHC7

कोलंबो से सिगिरिया और मिन्नेरिया (2 दिन)

2 दिन · 1 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह दो दिवसीय टूर कोलंबो से श्रीलंका के सांस्कृतिक त्रिभुज में चलता है, जो दम्बुल्ल गुफा मंदिरों, मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान में सफारी और सिगिरिया रॉक किले पर चढ़ाई को जोड़ता है। यह एक कॉम्पैक्ट, तेज़ गति वाला मार्ग है जो सीमित समय वाले यात्रियों के लिए उपयुक्त है जो फिर भी द्वीप के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन स्थल को देखना चाहते हैं और बड़ी संख्या में जंगली हाथियों को देखने का मौका चाहते हैं।

यात्रियों को दम्बुल्ल और सिगिरिया में बौद्ध कला और इंजीनियरिंग की सदियों का करीबी दृश्य मिलता है, साथ ही मिन्नेरिया के जंगलों और झाड़ी भूमि के माध्यम से तीन घंटे की सफारी जहां सूखे मौसम में हाथी बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं। सिगिरिया के पास एक गांव का अनुभव गांव की झील पर नाव की सवारी, पारंपरिक खाना पकाने का प्रदर्शन और घर का बना खाना के साथ यात्रा को पूरा करता है।

टूर पूरे समय एक निजी चालक गाइड और वाहन के साथ चलाया जाता है, कोलंबो से उत्तर की ओर ड्राइव और प्रत्येक दिन साइटों के बीच ड्राइव को कवर करता है।

दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 कोलंबो → दांबुला → मिन्नेरिया → सिगिरिया

यह दिन कोलंबो से उत्तर की ओर दांबुला की गुफा मंदिरों की यात्रा से शुरू होता है, फिर दोपहर में मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान में सफारी होती है, और दिन का समापन सिगिरिया में होता है।



दांबुला गुफा मंदिर

दांबुला का यह स्वर्ण मंदिर पहली शताब्दी ईसा पूर्व का है और इसमें पांच मुख्य गुफाएं हैं, जिनमें भगवान गौतम बुद्ध के जीवन को दर्शाने वाले प्राचीन भित्ति चित्रों के साथ-साथ सैकड़ों बुद्ध और देवी-देवताओं की प्रतिमाएं हैं। मुख्य आकर्षणों में दिव्य राजा की गुफा, महान राजा की गुफा और महान नव विहार शामिल हैं। गुफा परिसर से थोड़ी दूरी पर एक विशाल स्वर्णिम बुद्ध प्रतिमा स्थित है।

Lankapic · CC BY 2.5



मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान सफारी

मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों और झाड़ीदार क्षेत्रों में तीन घंटे की सफारी, जो मई से अक्टूबर के बीच होने वाले महान हाथी सम्मेलन के लिए जानी जाती है, जब एक ही स्थान पर 150 से अधिक हाथी इकट्ठा हो सकते हैं। यह उद्यान कई अन्य स्तनधारियों, पक्षियों, रेंगने वाले जीवों और उभयचरों का भी घर है।

Stuart Pinkney · CC BY 2.0

दिन 2 सिगिरिया → कोलंबो

दूसरा दिन सिगिरिया शैल दुर्ग और पास के एक गांव की सैर में बिताया जाता है, इसके बाद कोलंबो वापसी होती है।



सिगिरिया प्राचीन शैल दुर्ग

5वीं शताब्दी ईस्वी के इस शैल दुर्ग पर चढ़ाई करें, जहां राजा कश्यप ने एक समय शासन किया था। प्रवेश विशाल सिंह के पंजों से बनी सीढ़ियों से होता है, जिनके कारण इस स्थल को सिंह शैल (लायन रॉक) नाम मिला है। चढ़ाई के दौरान किले के अब भी अमिट प्राचीन भित्ति चित्र, एक तीव्र ढलान वाली सीढ़ी, सोपान बगीचे और आज भी कार्यरत जलाशय, तथा पूर्व राजमहल तक जाने वाली सुरंगें देखने को मिलती हैं।

Wrobell · CC BY-SA 3.0



सिगिरिया ग्राम भ्रमण

एक गांव का अनुभव, जिसमें एक शांत झील पर कैटामरान की सवारी और पकने वाले धान के खेतों के बीच से पैदल सैर शामिल है। एक पारंपरिक खाना पकाने के प्रदर्शन में श्रीलंकाई व्यंजनों की बुनियादी बातें सिखाई जाती हैं, जिसके बाद कमल के पत्तों पर बुनी हुई ट्रे में परोसा गया घर का बना भोजन कराया जाता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

क्या शामिल है

शामिल है

- Transport in a private air-conditioned vehicle.
- Service of an English-speaking chauffeur throughout the tour.
- All prevailing taxes and service charges.

शामिल नहीं है

- Hotel Accommodation and Meals.
- Entrance fees to the respective sites.
- Chauffeur Guide's Accommodation.
- Expenses of personal nature.
- Visa and Related Expenses.